

१ॐ नमस्तुते वाग्मनी देवी ॥ सर्वदलितकेशा ललाटिणी यश्चमालिनी ॥ रुद्राक्षायिनी गम्भीरवागी
 भाषे नमो नमो ॥ ॥ अगस्त्यवाच ॥ तानूजं भक्तगायं च निरुत्थय दूनन्दन ॥ दानवत्वापुत्रान्
 च सवलसानूजं देवी ॥ कथं वदामि वागी ॥ कनेवयुजि गायन भयं वद कंचन लक्ष्मिं तत्सर्ववद
 सवित्री ॥ ॥ लामरुषे न उवाच ॥ पृच्छ मानयदा दूरे स्कंदा ॥ ब्रवीदत्रा मुदा ॥ अत्यश्वासा ध्वज
 यश्चा सर्वगम्भीरि आरुमा ॥ ॥ स्कन्द उवाच ॥ आगित्वि (इति गोवर्धक पुराण कथा वाग्मनी ऊल ॥
 गलकं सनिर्गद्यकं गद्य ऊग्मसूत्रा रुमा ॥ रुक्मात्राधिगवत्कस्य पशुपतिश्च वाग्मनी ॥ ॥ ॥ ॥

म ६

आग्मस्तुति

1. 222

विष्णुः सना विष्णु वक्र विष्णु यत्र नरा न कदा दिवस दवानि धदि स्य ससं सदि ॥ ६६ ॥ वामनीं
 वीं आगि लिङ्गा हनि सु गी उवी रुतां मदा दवी लक्ष्म कलां लक्ष्मिनी ॥ विष्णु तर्जनां मन्त्रा मन्त्रेण लक्ष्म
 ४ किमि गि सर्व दत्त ॥ यथा यथा गि दही पूयां दीया ह्रीं प्रणामा मुनि ॥ ययुक् ययुक् का सो विष्णु तर्जना
 सुरु कि गि नाना ययुक् माना हि वक्रा गत्तं सदि ध्रुवं ॥ या ऊरु न वथा दिव्यं गदगां न स्वसु न व ॥
 ॥ यथा उवाच भया दही धर्मिणा देवी सा आनन विनिस्तुता ॥ या आर्त्य निस्तुता वीथी स्येव
 ॥ कविनि स्तुता ॥ अथाह सिनय कच द्वादशी मेय ययुक् ॥ ह नमू द्वि लिङ्गा गङ्गा मुखे द

उग्रस्य उग्रतया च उग्रवत्प्रदा उमा ॥ उग्र दक्षिण निख नाच उग्रणी पावगा त्रिणी ॥ उद्धवनी
 सदा दक्ष उ न कि लिख का त्रिणी ॥ उणी त्रगन्ध सुयीगा उर्व्वत्प्रदा यणी ॥ उग्रया सर्व सदा
 प्र उद्धवनी पुदणीनी ॥ उद्धग उग्र रथ्या च उद्ध स्नान पुदा यिनी ॥ सुग्ध यगथ सामात्मा सु
 वल्गु सुदि नयिनी ॥ सुकात्रादि निद्रया च सुन रुनी सुसुता वा ॥ सुकाल मुख संहगा सुवल्गु
 सामनय सुधी सुदि दहा सिद्ध ध्वनी सुद्ध ध्वनी महा सुदी ॥ उकात्र संहगा नका उवल्गु ॥ वि
 ना निहा ॥ उहु सर्व त्रिद्ध ध्वनी उहु धर्म प्रका सिनी ॥ नकात्रे कात्रतया च नकात्रा र्धनात्स

[illegible]

五

३५३

श्रीमूकगो॥ उं हूँ किं मुक्ति वाग्मनी ॥ कला धरा कला नूया को मुक्ति काल है नवी ॥ कमला कामिनी
 काली कूल का कूल मयिया ॥ कलावती कला राया के ला हाँ हूँ कलानिधि ॥ कामाख्या कूल का
 नाच कामदा काम रात्रिणी ॥ काम धनं कुंभी गी च कालिन्दी कूल लक्ष्मी ॥ कान्ति काया च का
 श्री हूँ कूल का कूल वासिणी ॥ कूल विनी कना लांगी काठना की कयालिनी ॥ काम धनं च का
 ली कीर्ति दा काम सुन्दरी ॥ कामार्त्त काम नूया च कनूषा कूल देवता ॥ कूलि गङ्गा कला का कूल
 मानी कमल कूल ॥ कल्याणी काश्चिन्ना कान्ति कात्र नादिष कोठि की ॥ काम्या कूल कनन्दा च कूल

लधर्मप्रकाशिनी॥ कलख श्री कृपा स्वच्छ कृष्ण कृष्ण समर्पिता॥ कानक लोल लालाद्या कृपाक
लोल लोलिनी॥ खग ध्वनी खल पाच स्वर्ग खग नुवादिनी॥ खवर्षु खङ्ग रुक्माच खवरी ख
गकायू धी॥ खाखादनी खग नुवा खमनि धूमि (६॥ रुता॥ खत्रयुखा खराखाच खधुपत्रधु
वल्लहा गजा स्थाखाच गुच्छणी गऊ नुद हान नुवि॥ गऊ चर्मा दहा जाया गजानन प्रसूने १
का॥ गेरी गमडावरी गंग गन्धर्व गण (६॥ विता॥ गलनीया गल ध्वजा गम्भीर नीलेवादि
नी॥ गलमागाच गन्धारी गगलमनि रुखध्व॥ गमनी गगल (६॥ नी गि त्रिजा गि त्रिषा प्रिया॥

गंगविताच गायत्री गि त्रिखा गि त्रिस्तं हवा॥ गलुकी गनू उखाच (गक ध्वजात्रि (गीतमी॥ घन
रुकि प्रिया धारा घनामत्रय (६॥ विता॥ घनादि सविता धारा धारा (गन्ध धात्र वल्लहा घन ध्वजो
घनाखा घनरोय विनाशिनी॥ घन खना घना धारा धात्र नरा घन नुवि॥ ढध्वनी धात्र धाघा
चढगात्र हस्त्री गिवा॥ ढे लध्वनी सिद्धिलक्ष्मी ढे नर्दर्म प्रकाशिनी॥ द्वा सध्वनी मरुतवी दि
द्वा रुका पुन्य ध्वनी॥ दिस सूरवर्षु वागमनी ढे नस्या रुव न लीया॥ धात्र किलिष धात्रिनी धी
(६॥ ध्वनी धी धमायी॥ धी वर्षु सूरवर्षु रु धात्र ध्वनी सूय विनी॥ वं वलाचात्रुवा हाचच (६॥

[illegible]

नन्दिया ॥ जाद्विजानकी जाया जननी जनन नदिनी ॥ जगदीश जगन्माता जनक माता शि
गा ॥ जगदयुक्त गङ्गा वरुणा देवता डिता ॥ जगमूर्ति जगन्माता जनस्य कर्त्तिवाहिनी ॥
जाम्बूनदयवाहा चक्रया चक्रिया जया ॥ जगती वसया जन्मा जयनी जगदूहिता ॥ जीवध
त्री जनैः सूर्या जीवही जनकारिणी ॥ रत्नैः ध्वनी रत्नात्मा रत्नात्स्वनवाहिनी ॥ रत्नानिय
तकी वरुण ॥ रत्नैः ध्वनी ॥ रत्नात्मा रत्नात्स्वनवाहिनी ॥ रत्नानिय
रत्नैः ध्वनी महादेवी ॥ रत्नात्मा रत्नात्स्वनवाहिनी ॥ रत्नानिय

ननु यथापि गायः श्रद्धां हसिनीका धाकाठिकाठि नरंगीनी ॥ ठटिनी कत्र हाठाया श्रद्धां विंकि गिम्हा
मिनी ॥ हिमकूठ ठटा हूगा कूठ केठक वाहिनी ॥ हां खटाठ कत्र म्यास्या निधनाया ठट किनी ॥ यी
(०४५) वयी ॥ यी यी वनाम्य पुवाहिनी ॥ यी (०४५) वयी महायी (०५) यी ० देवा महायी ठी ॥ जकि
नी उम नू रुसा चू उ काल ॥ उ म्या ठिनी ॥ उ म्हु रु की चरुं नू ॥ उ मत्रा उं उ मर्जनी ॥ उ नू पाद
मत्रा ठा त्मा ॥ उ म्या उ म्या ठिनी ॥ उ म्हा वाद्य स्वनावा वी हूरा ठा नू हा नू वा ॥ पुषं वंणी पुषं
म्या यी ॥ म्या पुषं व समुवा ॥ नत्र किनी नत्र गं ॥ उ म्हा नू की नत्र ल गं मिनी ॥ गामो सी गं मत्र या च
म्वर गम २

कन्या दवादिशा दिवा नूपाठ निष्ठाया दिशा विनाच दिशाङ्गी दवसे न्यासुदि यिषा ॥ दवा विनी दव
नूपाच दानवेष्टी दया कन्या दूर्गे नूपा दूना नोष्ठा दूर्जया दूना गि कमा ॥ दवध्वनी दयाङ्गी लादि
यमा क्रुपदायिनी ॥ धीना धनयवा लाच धनयवा हिनी स्वधा ॥ धनैवि धनिली धनी धनली धनय
वाहिनी ॥ धन्या धन्य धना धीना धनली धनली धना ॥ धना धनानेना धेया धर्मत्मा धर्मनूयिनी ॥
धी नूपा धिषम धनी धमाका धर्मविग्रहा ॥ धनगम्यानिधि (धया धनानन्यनि धनाग्रिगाया
धननूपावू धना धनस्का धननूयिनी ॥ धनातीनामत्र धना धन धन धन नन्यत्राया धन
नीलि ४

[illegible]

रुषभा रागित्री रवात्राश्च हवमात्रा हवश्चत्री ॥ हवायदा हवानन्धा हर्यकत्री हन्तासिनी
॥ यरादेवी रागशीव राविनि हवनाहिनी ॥ हकिगंम्यावही निष्ठी रास्कत्री युवहोश्चत्री ॥
हकिवत्रयदा हवात्रामत्री रागमात्री धी ॥ हकिगुष्ठावह नूष्ठा रुकिदा हवनाषिणी ॥ राव
ना युवहोश्चत्री हकिष्ठा हवलाचना रास्वदूलाव हवास्त्रा रात्रगी हवर्जनी ॥ हहयध
वहगस्त्रा हमिरुषधवाहिनी ॥ रागवगी हवमात्रा हवदूराव यरुक्षीनी ॥ हीमत्रिया हवया
नि हवा हवा द्विगाननरा हवादेवी शुभा हवा हीमा हीमा हवा वाहिनी ॥ हहशी हग धात्रीव
को निनादिनी ॥

हनुक्का हनुक्का विनीमा माहुं धत्री महा माया मूर्ध्वसि संगमा मरुत्तरी महा मात्री मान्या
महानन्दिनी महा अग्निर्महा मध्वमाक्षयूनी निवासिनी मागङ्गिनी मना प्रया महा हनु
चमध्वमा मनीयूतकमध्वस्त्रा भादिनी विष्णु भादिनी महा धृति महा काली मदिना नदि
गानना महा मनीर्महा शूक्रा मिधूमनी ममा धौत्री मनका गह्वराम्हा मङ्गला च सुमङ्गला १३
मन्दहासा महा दंष्ट्रा मालिका च महा मखा मालसा मना ह्वा च मनसिनी मना ह्वा मन्दा
किनी महा ह्वा भाकृदाणी च मा धवी मागना मनु प्रया च मनु माग मनि प्रया मूदा यिक च

[illegible]

हमिप्रवाहचन्द्रद्वयमनाप्रसादावधरुमिदाप्रमहात्राजनाजठव्रीवनाप्रसवाहचन्द्र
प्रनसहकीप्रमपियागगपियाप्रसहाचत्रामात्राधवनात्रिणीप्रमनीत्राधिकात्राध्यात्राज्ञदा
त्राज्ञत्राजिगात्राकिनीत्राज्ञहकीचत्रोदीनामूवत्रयदात्राहिणीत्रकयधस्त्रागिहामुद्वि
पिणीप्रयपियाचन्द्रदाणीत्रथस्त्रात्रथगामीणीप्रताज्ञीत्रकवासाचत्रकाकीत्रकदन्तिका१३
प्रतगहचप्रतस्त्रात्रलयमाधिगात्रमात्रात्रादप्रयसूनाचमगलीकनष्टाषलीलवि
कानलिनात्रासात्राकिणीललिगालकात्राललनाललजिदाचललिगालाहिगात्रिनीलम्या

पगाधजकिनीनामनीयात्रकमालाक्रयत्रायत्रयमस्त्रावसर्वयज्ञहवेयूष्यवृतात्रात्रिदयत्र
लीधमोनीमूयवासानासर्वदानीहवेरुलसर्वतीक्ष्णहवेयूष्यप्रतिमादहनस्त्रात्रात्र
व्यरुतिगलकृत्तात्राचवाग्मनीजलसहस्रनामयात्राधमाक्रयत्रात्रात्रलहृन्नात्रागमया
४८त्रीयधकीयचत्रात्रासस्यधत्रासंनयिधत्रागजित्यात्राकंरगतात्रिवा४मत्रजना
मूयगनंनानदसूगम्यमानादवीप्राधानिद्वयंनिर्ववांक्कनिंयेदधहिच४गाद४गकिना
माचवाग्मधीत्राजना४किंयन॥ ॥मृगस्त्रावाच॥ ॥००निष्टीस्त्रादयूत्रात्राहिमवस्त्रात्र

ययूना (६) अगस्त्यवक्त्रा नात्र दसम्दा कंठी वाग्मनी सहस्रनामाश्वायसमाफ॥ ॥ सम्वत् ८
११ अगस्त्यवक्त्रा नात्र दसम्दा कंठी वाग्मनी सहस्रनामाश्वायसमाफ॥ ॥ सम्वत् ८
(६) अगस्त्यवक्त्रा नात्र दसम्दा कंठी वाग्मनी सहस्रनामाश्वायसमाफ॥ ॥ सम्वत् ८
समा ६१० ताडयदशुक्र १३ थक्कू नकवग आनं तथा डा इ ता १

आमा नमः कृति

1.777